कोटद्वार, मंगलवार
23 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 214 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के आश्वासन पर माने विक्रम संचालक,हड़ताल समाप्त

देहरादून। विक्रम जन कल्याण सेवा समिति के पदाधिकारियों ने मांगों को लेकर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर बृजेश संत से मुलाकात की। अधिकारी के कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन देने के बाद विक्रम संचालकों ने हड़ताल समाप्त की। चालकों ने फिर से विक्रम संचालन शुरू कर दिया। सोमवार को विक्रम संचालकों का कहना है कि आरटीओ की ओर से उन्हें विक्रम 6+ 1 में कनवर्ट करने का आदेश जारी किया गया था। आदेश नहीं मानने पर करीब तीस के आसपास विक्रम को सीज किया गया। इसी के विरोध में पांच दिन से समस्त विक्रम संचालकों ने संचालन ठप कर दिया था। संचालकों का कहना है कि उनके विक्रम 7+ 1 में पास हैं। सोमवार को बड़ी संख्या में विक्रम संचालक इंदिरा मार्केट समिति कार्यालय पर एकत्रित हुए। यहां से सभी कुलहाल सहस्त्रधारा रोड स्थित ट्रांसपोर्ट कमिश्नर बृजेश कुमार संत के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अधिकारी के समक्ष मांग उठाई कि कोर्ट का आदेश आने तक विक्रम संचालकों के खिलाफ बेवजह कार्रवाई नहीं की जाए। उन्होंने आगे कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया। इसके बाद समिति ने हड़ताल समाप्त करते हुए विक्रम संचालन फिर से शुरू कर दिया। इस दौरान समिति के संरक्षक व भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, अध्यक्ष सतीश शर्मा, सचिव संजय अरोड़ा, सचिव संजय अरोड़ा, उपाध्यक्ष पवन कुमार, उप सचिव अतुल अग्रवाल, हरिओम चौधरी, राजेंद्र सिंह ढिल्लो, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र नेगी, पुनीत तलवार, विकेश जस्सल, देवेंद्र सिंह रावत, संजय धीमान, प्रमोद कुमार, नदीम खान आदि मौजूद रहे। उधर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अवगत करवाया कि परिवहन विभाग अपने दायित्वों का पालन नहीं कर रहा। इस कारण विक्रम की हड़ताल के चलते लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पारिवारिक विवाद में पति ने ट्रक के आगे लगाई छलांग, गंभीर

रुद्रपुर। सोमवार को किच्छा हाईवे पर पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक ने आवेश में आकर चलते ट्रक के आगे छलांग लगा दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब साढ़े बारह बजे एक दंपति अपने बच्चों के साथ किच्छा हाईवे पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान पति–पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर युवक ने अचानक डिवाइडर फांदकर हाईवे के दूसरी ओर पहुंचते हुए सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक के आगे छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन तब तक युवक ट्रक के अगले टायर की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पत्नी और बच्चों में चीख–पुकार मच गई। मौके से गुजर रहे राहगीर लालपुर निवासी सूरज कुमार ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को टेम्पो से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। प्रथम दृष्ट्या यह पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है।

तीर्थ पुरोहित के बेटे से मारपीट, मेडिकल स्टोर में घुसकर हमला

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते तीर्थ पुरोहित के बेटे के साथ मारपीट कर दी गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चाकलान निवासी प्रदीप कुमार पुत्र रामेश्वर प्रसाद ने कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया कि सात नवंबर को वह अपने पुत्र युवराज और परिवार के साथ कनखल स्थित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां पुरानी रंजिश के चलते तनिष्क उर्फ ऋषि, पारस, सरिता देवी और उनके साथियों ने गाली–गलौच शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। तब मामला किसी तरह शांत कराया गया, लेकिन रंजिश और बढ़ गई। इसके दो दिन बाद नौ नवंबर की शाम करीब सात बजे युवराज मोहल्ला धीरवाली में चाट की दुकान से सामान लेकर लौट रहा था। तभी आरोपियों ने रास्ते में घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए युवराज पास के प्रवीन मेडिकल स्टोर में घुस गया, लेकिन आरोपी वहां भी आ धमके और मारपीट की। शोर सुनकर युवराज की मां वहां पहुंची तो उनके साथ भी मारपीट की गई।

मुख्यमंत्री ने किया 77.25 करोड़ रुपये की 32 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने ताड़ीखेत में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जन-जन की सरकार, जन–जन के द्वार अभियान के तहत सोमवार को अल्मोड़ा जिले के ताड़ीखेत में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता से संवाद करने के साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण भी किया। इस शिविर में पात्र लोगों को सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के साथ ही जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा जिले की लगभग 77.25 करोड़ रुपये की लागत की 32 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 47.85 करोड़ की लागत की 9 योजनाओं का शिलान्यास तथा 29.40 करोड़ की लागत की 23 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। शिविर में हजारों की संख्या में उपस्थित

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि प्रशासन से जुड़े सभी कार्य और सेवाएं जनता को उनके ही क्षेत्र में सुलभ कराने हेतु सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए सरकार की अधिकांश सेवाओं को ऑनलाइन करने के साथ ही समय-समय पर बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन कर जनता की समस्याओं को मौके पर ही त्वरित समाधान भी सुनिश्चित कराया जा रहा है। सरकार ने ह्लजन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारह्व अभियान शुरू कर शासन-प्रशासन को सीधे आमजन के बीच ले जाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने अभियान के तहत

सीएम धामी ने रानीखेत विस क्षेत्र के लिए की अनेक घोषणाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रानीखेत विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं में विकासखण्ड भिकियासैंण में गगास नदी तथा रामगंगा नदी पर तटबन्ध निर्माण एवं पैदल पथ के नव निर्माण कराने सहित देवलीखेत, चौनलिया, खिरखेत एवं भुजान स्थित राजकीय इंटर कॉलेजों में मिनी स्टेडियमों का निर्माण कराने, सनणा सिंचाई लिफ्टिंग योजना का उच्चीकरण करने, रानीखेत में एनसीसी ग्राउंड/स्टेडियम के निर्माण हेतु एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने, रानीखेत स्थित रानीझील के विस्तारीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराने, रानीखेत विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत हैलीपैड निर्माण कराने की घोषणा सम्मिलित हैं।

न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं और सुझावों को निःसंकोच साझा करें, ताकि शासन-प्रशासन उन्हें शीघ्र और प्रभावी ढंग से सुलझा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्य में मातृशक्ति के कल्याण के लिए भी समर्पित होकर कार्य कर रही है।

हर क्षेत्र में की महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित कर सरकारी सेवाओं में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है। अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कारगर कदम उठाए गए हैं। राज्य की 1 लाख 68 हजार से अधिक बहनों ने ह्लखपति दीदी'' बनकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में नया इतिहास रचा है। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टमटा, क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल, दायित्वधारी कैलाश पंत, अनिल शाही, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती बबली मेहरा, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट भी उपस्थित रहे।

भारत की कार्रवाई से बौखलाया बांग्लादेश

अब भारतीय नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं की बंद

बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या के विरोध में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन हुआ था। इसी घटना के बाद सुरक्षा और हालात को देखते हुए यह कदम उठाया गया। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा स्थिति की समीक्षा की जा रही है और आगे का फैसला परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा।

दिल्ली स्थित उच्चायोग के बाहर टंगा नोटिस

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग में सभी कांसुलर और वीजा सेवाएं निलंबित कर दी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब एक दिन पहले बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने कहा था कि ढाका भारत में अपनी मौजूदगी को कम करने पर विचार कर रहा है। दरअसल, वीजा सेवा को बंद करने की जानकारी देने के लिए दिल्ली स्थिति बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर एक नोटिस लगाया गया है। नोटिस में लिखा है, कुछ जरूरी कारणों से नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग से सभी कांसुलर और वीजा सेवाएं अगले आदेश तक अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं।

चुनाव आयोग बीजेपी के निर्देश पर काम कर रहा है: ममता बनर्जी

कहा– देश में तानाशाही का हाल यह है कि पीएम पर भी नियंत्रण रखा जा रहा है

कोलकाता , आज तो हालात तो यह है कि चुनाव आयोग बीजेपी के निर्देश पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग सरकार को बिना बताए ऑब्जर्वर बना रहा। ऐसे में एसआईआर के द्वारा बंगाल की वोटर लिस्ट से 58 लाख नाम हटाए गए है। उक्त बात आज सीएम ममता बनर्जी ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में टीएमसी के बूथ लेवल एजेंटों की बैठक में कही। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आज बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को तानाशाही तरीके से चलाया जा रहा है और हालात ऐसे हैं कि प्रधानमंत्री तक पर नियंत्रण रखा जा रहा है। ममता ने कहा कि एसआईआर की सुनवाई के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर के तौर पर नियुक्त केंद्रीय अधिकारियों को स्थानीय भाषा (बांग्ला) का बहुत कम ज्ञान है। ऐसे अधिकारी संशोधन अभ्यास के दूसरे

फेज के दौरान वेरिफिकेशन करने के लिए अयोग्य हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र देश को खतरनाक दिशा में ले जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने इतना खराब गृह मंत्री कभी नहीं देखा। ममता ने कहा कि वह व्यक्ति सब कुछ नियंत्रित कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री भी नियंत्रण में नहीं हैं। उन्हें संदेह है कि वही प्रधानमंत्री को भी नियंत्रित कर रहा है और पूरे देश को चला रहा है। उन्होंने कहा कि अगर दंगा भड़काने वाले लोग देश चलाएंगे तो देश का क्या होगा, यह समझा जा सकता है। उन्होंने लोगों से सोचने और हालात को समझने की अपील की। तृणमूल सुप्रीमो ने केंद्र पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विरासत को जानबूझकर हाशिये पर डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें राम नाम से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जब गांधीजी का नाम हटाकर धार्मिक प्रतीकों को चुनिंदा तरीके से सामने लाया जा रहा है, तो सवाल उठता है कि देश को किस दिशा में ले जाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शवयात्रा के समय कहा जाता है राम नाम सत्य है, तो क्या गांधीजी का नाम हटाकर देश को उसी ओर ले जाया जा रहा है।

शराब पीने और बेचने पर लगेगा 50 हजार रुपए का अर्थदंड

विकासनगर। जौनसार–बावर में माक्टी पोखरी के बाद शिलगांव बावर क्षेत्र में महिलाओं ने नशे और जुए के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को शिलगांव बावर क्षेत्र में आयोजित बैठक में महिलाओं ने कथियान क्षेत्र में शराब और जुए के बढ़ते चलन पर आक्रोश जताया। तय किया गया कि क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के शराब पीते या बेचते हुए पकड़े जाने पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। नशा तस्करी की सूचना देने वाले को 5000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

ऐसा ही अर्थदंड जुआ खेलने वालों पर लगाया जाएगा। उनकी सूचना देने वाले को भी समान राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके बाद महिलाओं ने जुलूस निकालकर लोगों से नशा विरोधी मुहिम में सहयोग मांगा। बैठक में छजाड़, हटाड़, भुनाड़, ऐठान, डागूंठा, पटयूड़ और भटाड़ आदि गांवों की सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं। बैठक की अध्यक्षता संगीता चौहान ने की।

नीतीश कुमार ने की पीएम मोदी और अमित शाह से मुलाकात

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार समेत कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली ,बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम आवास पर इस बातचीत को राजनीतिक और प्रशासनिक, दोनों लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। तीनों नेता एक साथ प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा है। ऐसे में इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिल्ली का यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में बिहार में भाजपा ने कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जैसे नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और संजय सरावगी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा राज्य मंत्रिमंडल के अगले चरण के विस्तार और 2026 में होने वाले राज्यसभा व विधान परिषद चुनावों से जुड़े मुद्दे भी हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं से मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा की गई है। बिहार में खरमास के बाद मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है। वर्तमान में नीतीश मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 25 मंत्री हैं, जबकि कुल 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में 10–11 नए मंत्री शामिल हो सकते हैं। बिहार चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने 243 सीटों में से 202 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया है। नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री बने हैं। चुनाव से पहले कई वादे किए गए थे, जिसमें प्रधानमंत्री ने भी बिहार को विकसित राज्य बनाने की बात कही थी।

पंजाब के पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को मारी गोली

12 पेज के सुसाइड नोट में 8 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का जिक्र

पटियाला ,पंजाब के पटियाला से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राज्य के पूर्व इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस अमर सिंह चहल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की कोशिश की। उन्होंने यह गोली अपने सुरक्षाकर्मी के रिवॉल्वर से चलाई। गंभीर रूप से घायल चहल को तुरंत पटियाला के पार्क अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गोली चलाने से पहले अमर सिंह चहल ने 12 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा, जो उन्होंने पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव के नाम संबोधित किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुसाइड नोट में उन्होंने करीब 8.10 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी का जिक्र किया है। रिटायरमेंट के बाद चहल पटियाला में ही रह रहे थे। पटियाला

के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें तुरंत चहल के आवास पर पहुंचीं और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ठगी का शिकार

सुसाइड नोट में अमर सिंह चहल ने लिखा कि वह हाल ही में "ढ्ढक्स् ग्रुप" नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े थे। इस ग्रुप में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच दिया गया, जिसके झांसे में आकर उन्होंने धीरे–धीरे बड़ी रकम निवेश कर दी। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह पूरा नेटवर्क ऑनलाइन ठगी का था।

करीबी रिश्तेदारों से लिया था कर्ज

चहल ने अपने नोट में यह भी बताया कि ठगी की गई राशि में से लगभग 7.5 करोड़ रुपये उन्होंने अपने रिश्तेदारों और नजदीकी परिचितों से उधार लिए थे। कर्ज चुकाने में असमर्थता और लोगों के भरोसे को ठेस पहुंचने की पीड़ा ने उन्हें गहरे मानसिक तनाव में डाल दिया।

बहबल कलां गोलीकांड में भी नाम

गौरतलब है कि अमर सिंह चहल 2015 के चर्चित बहबल कलां और कोटकपूरा गोलीकांड मामले में भी आरोपी रहे हैं, जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी। इस केस में 24 फरवरी 2023 को पंजाब पुलिस की विशेष जांच टीम ने फरीदकोट कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी।

चार्जशीट में कई बड़े नाम शामिल

इस चार्जशीट में कई वरिष्ठ नेताओं और पुलिस अधिकारियों के नाम शामिल थे। इनमें तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व गृह मंत्री सुखबीर सिंह बादल, पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी, आईजी परमराज सिंह उमरानंगल, पूर्व डीआईजी अमर सिंह चहल, पूर्व एसएसपी सुखमिंदर सिंह मान और एसएसपी चरनजीत सिंह शर्मा को नामजद किया गया था।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और सुसाइड नोट की हर बिंदु पर गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

पूर्व विधायक राजेश जुवांठा का निधन

उत्तरकाशी। पुरोला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजेश जुवांठा के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। राजेश जुवांठा ने 2007 से 2012 तक पुरोला विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में सेवा की। वे अपने ईमानदार, सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। आम जनता के साथ उनकी सहज उपलब्धता और व्यवहार को क्षेत्रवासियों ने हमेशा सराहा। राजेश जुवांठा पूर्व पर्वतीय विकास मंत्री स्वर्गीय बर्फिया लाल जुवांठा के पुत्र थे, जिन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। अपने विधायक कार्यकाल में राजेश जुवांठा ने अपने पिता के मार्ग पर चलते हुए जनता के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी माता शांति जुवांठा नगर पालिका विकासनगर से दो बार अध्यक्ष रह चुकी हैं।

मुंबई जा रही विमान तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौटी

नई दिल्ली , दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान एआई887 में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतारना पड़ा। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक–ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के अनुसार, विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्री व क्रू सदस्य सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम आवश्यक निरीक्षण में जुटी हुई है। विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई है। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। एयर इंडिया का कहना है कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, आजमगढ़ के तीन लोगों की मौत

आजमगढ़ । घने कोहरे के बीच सोमवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दरपीपुर के पास सुबह करीब 8:20 बजे लखनऊ से आजमगढ़ जा रही तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसा इतना गंभीर था कि कार में सवार तीन लोगों की जान चली गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।मृतकों की पहचान सिकंदर (27), शंभूलाल (55) निवासी तेवखर, सरायमीर, आजमगढ़ और सुरेंद्र (30) निवासी गुड़ियावा, आजमगढ़ के रूप में हुई है। सिकंदर और सुरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शंभूलाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में सुरेंद्र की

पत्नी खुशबू (27), उनकी पुत्री सनाया (6), शंभूलाल की पत्नी मीना देवी (35), पुत्र कोहिनूर (16), पुत्री उजाला (24), कुमारी रोशनी (15) और पुत्र अंश (12) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर ले जाया गया, जहां से उनकी हालत नाजुक देखते हुए अंबेडकरनगर जिला अस्पताल रेफर किया गया।सूचना पर यूपीडा के अधिकारी मौके पर पहुंचे। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ पांडेय ने हादसे की पुष्टि की, जबकि सहायक सुरक्षा अधिकारी राम जगत तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कार चालक की लापरवाही हादसे का कारण प्रतीत हो रही है। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से हटाया गया। जयसिंहपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद मिश्र ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमी युगलों को ब्लैकमेल करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 12 मोबाइल फोन बरामद

नोएडा , उत्तर प्रदेश में नोएडा के पार्कों और सुनसान इलाकों में लोगों को निशाना बनाकर ब्लैकमेलिंग और लूटपाट करने वाले तीन शातिर आरोपियों को थाना सेक्टर–58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नोएडा एडीसीपी शेष्या गोयल ने बताया कि आरोपी शहर के विभिन्न पार्कों में बैठे प्रेमी युगलों को अपना निशाना बनाते थे। ये आरोपी पहले चोरी–छिपे मोबाइल फोन से उनकी तस्वीरें और वीडियो बना लेते थे। इसके बाद खुद को किसी संगठन से जुड़ा हुआ या सामाजिक कार्यकर्ता बताकर कपल्स को धमकाते थे। उन्होंने बताया कि ये लोग धमकी देते थे कि यदि इन्हें पैसे या मोबाइल फोन नहीं दिए तो उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे। बदनामी के डर से कई लोग उनकी बातें मान जाते थे और पैसे देकर वहां से चले जाते थे। नोएडा एडीसीपी ने बताया कि आरोपी पार्कों के साथ ही देर रात या सुनसान इलाकों में अकेले घूम रहे लोगों को भी अपना शिकार बनाते थे।

योगी सरकार का 24,496 .98 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

लखनऊ ,योगी सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट रखते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की निरंतरता बनाए रखने, आवश्यक क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने और बदलती जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से लाया गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश का मूल बजट 8,08,736.06 करोड़ का था, जबकि प्रस्तुत अनुपूरक बजट मूल बजट का लगभग 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को शामिल करने के बाद चालू वित्तीय वर्ष का कुल बजट बढ़कर ?8,33,233.04 करोड़ हो गया है।वित्त मंत्री ने कहा कि अनुपूरक बजट में राजस्व और पूंजीगत व्यय के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। इसके तहत 18,369.30 करोड़ का प्रावधान राजस्व व्यय के लिए और 6,127.68 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि एक ओर आवश्यक खर्चों की पूर्ति हो, वहीं दूसरी ओर पूंजीगत निवेश को बढ़ाकर प्रदेश के आधारभूत ढांचे को और मजबूत किया जाए।अनुपूरक बजट में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़, पावर सेक्टर के लिए 4,521 करोड़, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 3,500 करोड़ और नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

सम्पादकीय

अब बांग्लादेश की बारी

पड़ोसी देश बांग्लादेश भले ही अपने देश में स्थिरता और हिंसा की स्थिति से जूझ रहा हो लेकिन भारत के खिलाफ जहर उगलने का उसका मन शांत नहीं हो रहा है। भारत की शांति को बांग्लादेश अपनी जीत समझने लगा है लेकिन भारत की ओर से अब ऐसे संकेत दे दिए गए हैं जिसने बांग्लादेश की रातों की नींद उड़ा कर रख दी है। चादर से ज्यादा पैर पसार रहे बांग्लादेश ने शायद कभी यह नहीं सोचा होगा कि भारत को धमकी देने का इतना मजबूत और ठोस जवाब मिलेगा। कुछ बांग्लादेशी कट्टरपंथी नेताओं ने यह समझ लिया था कि अगर वे भारत को युद्ध की धमकी देंगे, "सेवन सिस्टर" राज्यों को अलग–थलग करने की बात करेंगे और चिकन नेक कॉरिडोर को बंद करने की चेतावनी देंगे, तो भारत चुपचाप बैठा रहेगा, क्योंकि वह शांति की राह पर चलता है, लेकिन वे यह भूल गए कि अब यह नई दौर का भारत है, जो सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि दूसरे तरीके से भी जवाब देता है जिसका सबक बांग्लादेश जैसे टापू सरीखे देश को हाल के दिनों में भारत द्वारा की गई सैनिक और आर्थिक कार्रवाई से समझ लेना चाहिए।बांग्लादेश अब घबराया हुआ है क्योंकि भारत ने अपनी 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर को बांग्लादेश सीमा पर तैनात कर दिया है, जिससे बांग्लादेशी सेना की पैरों तले जमीन खिसक गई है। नेताओं के चेहरों से मुस्कान गायब हो चुकी है और राजधानी ढाका को अपने ही भविष्य की चिंता होने लगी है। इस सारे फसाद की शुरुआत बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के दौरान वहां के कुछ नेताओं ने अपनी घरेलू राजनीति को चमकाने के लिए भारत विरोधी बयान दिए थे। कुछ का कहना था कि वे सेवन सिस्टर राज्यों को भारत से अलग कर देंगे, तो कोई भारत के चिकन नेक को बंद करने की धमकी दे रहा था लेकिन जाहिर तौर पर ये बयान बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति का मिजाज दर्शा रहे थे। इन नेताओं ने एक बड़ी गलती की, उन्होंने यह मान लिया कि भारत सिर्फ बयान सुनेगा और कुछ नहीं करेगा। वे लोग शायद यह भूल गए कि पाकिस्तान को चंद घंटे में ही अपने अस्तित्व का खतरा नजर आने लगा था तो बांग्लादेश तो एक ऐसा छोटा हिस्सा है जो भारत की रहम दिली पर ही अलग देश का स्वरूप पाने में कामयाब हुआ था। कूटनीतिक तौर पर भी एक बार बांग्लादेश को यह बताना अब जरूरी हो गया है की शांत रहना कमजोरी नहीं होता।

भाजपा नेहरू विवाद को नहीं छोड़ने वाली

सवाल है कि जब नेहरू में इतनी भी ताकत नहीं थी कि कांग्रेस की 15 प्रांतीय कमेटियों में से किसी एक कमेटी से अपने नाम की सिफारिश करा सकें और सरदार वल्लभ भाई पटेल इतने शक्तिशाली थे कि 15 में से 12 कमेटियों ने उनके नाम की सिफारिश की तो देश के विभाजन का फैसले नेहरू ने कैसे कराया? अगर सबसे शक्तिशाली महात्मा गांधी और सरदार पटेल थे तो इसका मतलब यह है कि सारे फैसले उन दोनों ने कराए! भाजपा क्यों नहीं कहती है कि देश के विभाजन से लेकर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने तक और संविधान की गड़बड़ियों से लेकर कश्मीर के विवाद तक सबके लिए जिम्मेदार गांधी और पटेल थे, जो कांग्रेस और देश के सबसे बड़े नेता भी थे?

अजीत द्विवेदी

यह इतिहास से ज्यादा राजनीति का सवाल है भाजपा की नजर में पंडित जवाहरलाल नेहरू कितने बड़े नेता थे? भाजपा कभी उनको इतना बडा नेता बताती है जैसे आजादी से पहले और बाद के सारे फैसले उन्होंने अकेले किए तो कभी इतना छोटा नेता बताती है कि वे अपने लिए एक आदमी का समर्थन नहीं जुटा पाए! एक तरफ भारतीय जनता पार्टी बताती है कि नेहरू इतने बड़े नेता थे कि उन्होंने देश का विभाजन कराया, 'वोट चोरीइ करके देश के पहले प्रधानमंत्री बने, संविधान में तमाम किस्म की गड़बड़ियां कराईं, भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं बनने दिया आदि आदि। लेकिन दूसरी ओर वही भाजपा कहती है कि नेहरू की इतनी हैसियत नहीं थी कि कांग्रेस की कोई प्रांतीय कमेटी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव करे।

सवाल है कि जब नेहरू में इतनी भी ताकत नहीं थी कि कांग्रेस की 15 प्रांतीय कमेटियों में से किसी एक कमेटी से अपने नाम की सिफारिश करा सकें और सरदार वल्लभ भाई पटेल इतने शक्तिशाली थे कि 15 में से 12 कमेटियों ने उनके नाम की सिफारिश की तो देश के विभाजन का फैसले नेहरू ने कैसे कराया? अगर सबसे शक्तिशाली महात्मा गांधी और सरदार पटेल थे तो इसका मतलब यह है कि सारे फैसले उन दोनों ने कराए! भाजपा क्यों नहीं कहती है कि देश के विभाजन से लेकर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने तक और संविधान की गड़बड़ियों से लेकर कश्मीर के विवाद तक सबके लिए जिम्मेदार गांधी और पटेल थे, जो कांग्रेस और देश के सबसे बड़े नेता भी थे?तभी आजादी से ठीक पहले और तुरंत बाद पंडित नेहरू की क्या स्थिति थी इसको समझने के लिए तीन कहानियां सुनने की जरुरत है:पहली कहानी भाजपा को बहुत पसंद है। संसद में भी वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुनाई थी और कहा था कि 'वोट चोरीइ करके नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। वह कहानी असल में ऐसी है कि 1940 से लेकर 1946 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरे विश्वयुद्ध की वजह से कांग्रेस के अधिवेशन अनियमित हुए और मौलाना आजाद अध्यक्ष बने रहे थे। 1946 में जब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का फैसला हुआ तो उस समय तक तय हो गया था कि जो कांग्रेस का अध्यक्ष होगा वह अंतरिम सरकार का प्रमुख होगा। उस समय तीन दावेदार थे सरदार पटेल, आचार्य जेबी कृपलानी और पंडित नेहरू। इनके अलावा मौलाना आजादी भी अध्यक्ष बने रहना चाहते थे। हालांकि उनको चिट्ठी लिख कर महात्मा गांधी ने कह दिया था कि वे उनकी निरंतरता के पक्ष में नहीं हैं। महात्मा गांधी चाहते थे कि नेहरू अध्यक्ष बनें। लेकिन 15 में से 12 प्रांतीय कमेटियों ने सरदार पटेल का नाम भेजा।

संक्षेप में कहानी यह है कि गांधी की इच्छा का सम्मान करते हुए सरदार पटेल और कृपलानी दोनों मैदान से हटे और नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अध्यक्ष बनने के एक महीने के बाद वायसराय ने उनको अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। जाहिर है नेहरू अपनी ताकत से अध्यक्ष नहीं बने थे और यह भी जाहिर है कि अगर कोई 'वोट चोरीइ हुई थी तो वह उन्होंने नहीं की थी। वह तो गांधी थे, जिन्होंने प्रांतीय कमेटियों की सिफारिशों को रद्दी में डाला और नेहरू को अध्यक्ष बनवाया। तभी सवाल है कि प्रधानमंत्री हों या केंद्रीय गृह मंत्री या दूसरे भाजपा नेता वे इस बात को इसी रूप में क्यों नहीं कहते हैं? वे गांधी को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराते हैं?

दूसरी कहानी आजादी के बाद 1950 के कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की है। ध्यान रहे अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद नेहरू ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और चूंकि सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री बने थे तो अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दो साल आचार्य जेबी कृपलानी ने संभाली। उसके बाद दो साल पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस अध्यक्ष रहे। फिर 1950 का चुनाव आया, जो आजादी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का सबसे चर्चित चुनाव रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आचार्य जेबी कृपलानी को अपने उम्मीदवार के तौर पर पेश किया और दूसरी ओर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन उम्मीदवार बन गए। उनको सरदार पटेल का समर्थन था। घमासान मुकाबले में राजर्षि टंडन ने आचार्य कृपलानी को हरा दिया। यानी सरदार पटेल के उम्मीदवार ने पंडित नेहरू के उम्मीदवार को हरा दिया।इसका मतलब है कि चार साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कांग्रेस में नेहरू की ऐसी हैसियत नहीं बनी थी कि वे सरदार पटेल से जीत सकें। अब सोचें इस चार साल की अवधि के सारे फैसलों के लिए भी अकेले नेहरू को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जबकि उस अवधि में भी सबसे ताकतवर पटेल थे। उनको देशी रियासतों के विलय का श्रेय दिया जाता है। लेकिन बाकी गड़बड़ियों का ठीकरा नेहरू के सर फोड़ा जाता है! क्या इन चार वर्षों के तमाम फैसलों के लिए सरदार पटेल बराबर के या कुछ ज्यादा के जिम्मेदार नहीं थे?तीसरी कहानी देश के पहले और दूसरे राष्ट्रपति के चुनाव की है। संविधान सभा के अध्यक्ष के नाते डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कार्यकारी राष्ट्रपति थे। आजाद भारत में राष्ट्रपति का पहला चुनाव फरवरी 1952 में हुआ। तब तक सरदार पटेल का निधन हो चुका था। प्रधानमंत्री नेहरू की पसंद चक्रवर्ती सी राजगोपालाचारी थे। वे चाहते थे कि दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रपति बनाया जाए। उनको लग रहा था कि दक्षिण भारत के नेताओं का समर्थन राजगोलाचारी के नाम पर मिलेगा। लेकिन नेहरू उनके लिए समर्थन नहीं जुटा सके और उनकी इच्छा के विरूध राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति बने। दूसरी बार 1957 में भी नेहरू ने उनकी जगह उप राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को राष्ट्रपति बनाना चाहा लेकिन तब भी कामयाब नहीं हुए और राजेंद्र बाबू दूसरी बार राष्ट्रपति बने। सोचें, 1957 में 10 साल तक प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नेहरू इतने ताकतवर नहीं थे कि अपनी पसंद से देश का राष्ट्रपति बनवा सकें !

ये तीनों कहानियां सही हैं और भाजपा को बहुत पसंद हैं। भाजपा के नेता अलग अलग कार्यक्रमों में इसमें खूब मिर्च मसाला लगा कर सुनाते भी हैं। अब सवाल है कि जब नेहरू में इतनी ताकत नहीं थी कि वे कांग्रेस की 15 कमेटियों में से एक भी समर्थन अपने लिए जुटा सकें तो फिर उन्होंने देश विभाजन का फैसला कैसे करवा दिया? देश विभाजन का फैसला भी तो उन लोगों ने करवाया होगा, जो ताकतवर थे, जिनको 12 कमेटियों का समर्थन मिला था या जिन्होंने 12 कमेटियों के समर्थन के बावजूद पटेल को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया? सबसे ताकतवर तो गांधी और पटेल थे, फिर देश विभाजन का ठीकरा उनके सर क्यों नहीं फूटता है? वहां क्यों या तो कांग्रेस कहा जाता है या नेहरू का नाम लिया जाता है? सोचें, सरदार पटेल ने चाह दिया तो नेहरू के उम्मीदवार जेबी कृपलानी को अध्यक्ष नहीं बनने दिया। उनको राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हाथों हरवा दिया। फिर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने या हिंदी स्वीकार नहीं किए जाने या कश्मीर मसला उलझने या दूसरे विवादों के लिए अकेले नेहरू कैसे जिम्मेदार हैं?

जो सबसे ज्यादा ताकतवर कांग्रेस नेता था उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? नेहरू अपनी पसंद से राष्ट्रपति नहीं बनवा सकते थे लेकिन भाजपा कहती है कि सारे फैसले वे कर रहे थे! क्या आज यह कल्पना की जा सकती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिसको चाहें उसको हरा कर कोई दूसरा व्यक्ति भाजपा का अध्यक्ष बन जाए या प्रधानमंत्री मोदी जिसको राष्ट्रपति बनाना चाहें उसकी बजाय कोई दूसरा बन जाए? इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन आजादी से तुरंत बाद ऐसा सच में हुआ था कि प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू अपनी पसंद का कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनवा पाए और अपनी पसंद का राष्ट्रपति नहीं बनवा पाए।

जाहिर है भाजपा आजादी से ठीक पहले या उसके ठीक बाद जाने अनजाने में हुई तमाम गड़बड़ियों का ठीकरा जान बूझकर, एक रणनीति के तहत नेहरू पर फोड़ती है और तमाम अच्छी बातों का श्रेय सरदार पटेल को देती है। असल में इसका तथ्य और तर्क से कोई लेना देना नहीं होता है।

वह नेहरू विरोध के सहारे कांग्रेस विरोध की राजनीति करती है। जब तक नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस के शीर्ष पर रहेगा, तब तक यह चलता रहेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद में कहा कि भाजपा समय तय करके एक बार में नेहरू के बारे में चर्चा कर ले और उसके बाद असली मुद्दों पर चर्चा करे। लेकिन चाहे वे जितना कहें भाजपा इस विवाद को नहीं छोड़ने वाली है। वह किसी भी गड़बड़ी के लिए कांग्रेस के सामूहिक नेतृत्व का नाम नहीं लेगी, गांधी और पटेल का नाम तो कतई नहीं लेगी।

वंदे मातरम पर बहस

वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने, शायद कटाक्ष में, लेकिन सटीक सुझाव दिया। उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के नेता लगातार जवाहर लाल नेहरू की गलतियां निकालते है। तो क्यों ना इस विषय पर सत्ता पक्ष के मनमुताबिक समय तय करते हुए संसद में पूरी चर्चा कर ली जाए।

बेहतर होगा कि नेहरू और पूर्व तमाम सरकारों ने जो गलत किया उन पर दो अलग–अलग श्वेत पत्र निकाले जाएं। उससे देश अतीत में उलझी बहसों से बाहर निकल सकेगा। फिर आज की गंभीर समस्याओं पर ध्यान केंद्रित चर्चा हो सकेगी। वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने, शायद कटाक्ष में, लेकिन सटीक सुझाव दिया। उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के नेता लगातार जवाहर लाल नेहरू की गलतियां निकालते हैं। तो क्यों ना इस विषय पर सत्ता पक्ष के मनमुताबिक समय तय करते हुए संसद में पूरी चर्चा कर ली जाए। बल्कि सुझाव को आगे बढ़ाते हुए यह भी कहा जा सकता है कि संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें नरेंद्र मोदी सरकार के पहले की तमाम सरकारों की गलतियों पर खुल कर चर्चा हो। बेहतर तो यह होगा कि नेहरू और पूर्व तमाम सरकारों ने जो गलत किया या जो सही नहीं किया, उन पर दो अलग–अलग श्वेत पत्र निकाले। उन श्वेत पत्रों को राष्ट्रीय अभिलेखागार में रख लिया जाए। लाभ यह होगा कि उसके बाद देश अतीत में उलझी बहसों से बाहर निकल सकेगा। फिर आज की गंभीर समस्याओं पर ध्यान केंद्रित चर्चा हो सकेगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कुछ रोज पहले एक दीक्षांत समारोह में कहा कि इस समय अमेरिका और चीन दोनों अपने मनमाफिक अंतरराष्ट्रीय नियम थोप रहे हैं। इसके बीच भारत मुश्किल में फंसा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि 'पूर्व सरकारों ने भारत में औद्योगिक ढांचा बनाने पर ध्यान नहीं दिया।इ जयशंकर ने कहा कि जिसके पास यह ताकत है, वह दुनिया पर प्रभुत्व जमा रहा है। तो जयशंकर ने आज की विफलताओं की भी पूरी जिम्मेदारी अतीत पर डाल दी।जाहिर है, यह इस पूरी सरकार का नजरिया है। मगर देश के सामने सवाल है कि अतीत में जो हुआ, सो हुआ– अब क्या किया जाए? आखिर अतीत के सत्ताधारियों को जनता ने इसीलिए उनकी आज की हैसियत में पहुंचाया है, क्योंकि उन्होंने देश की अपेक्षाएं पूरी नहीं कीं। इनसे संबंधित सारी बातें सहज स्वीकार की जाएंगी। मगर इन व्यर्थ बहसों से देश को छुटकारा मिलना चाहिए। इसलिए एक बार पूरी बात हो जाए। मगर यह तभी संभव है, अगर वर्तमान सत्ताधारियों की मंशा तुच्छ सियासत से ना प्रेरित हो। ऐसा नहीं है, यह साबित करने का दायित्व उन पर ही है।

बढ़ रही बेरोजगारी

खबरों के मुताबिक सरकार इस आकलन पर है कि पूंजी केंद्रित उद्योग पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर रहे, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। इसलिए अब श्रम केंद्रित कारोबार में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। मगर मुद्दा है कि यह निवेश कौन करेगा? खबरों के मुताबिक श्रम केंद्रित कारोबार को खड़ा करना अब केंद्र की प्राथमिकता है। इसके लिए अगले बजट में खास प्रावधान किए जाएंगे। इस सोच के पीछे यह आकलन है कि पूंजी केंद्रित उद्योग पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर रहे हैं, जिससे बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है। इसलिए अब श्रम केंद्रित कारोबार में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। मगर मुद्दा है कि यह निवेश कौन करेगा? क्या औपचारिक क्षेत्र को श्रम केंद्रित उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है? जब औपचारिक क्षेत्र में भी निजी निवेश की स्थिति कमजोर बनी हुई है, तो वित्तीय कारोबार में अधिक मुनाफा देखने वाले पूंजीपतियों को प्राथमिकता बदलने के लिए कैसे राजी किया जा सकेगा? तो निगाहें सूक्ष्म, लघु और मझौले दर्जे के ये उद्योगों (एमएसएमई) पर टिकती है। ये उद्योग श्रम केंद्रित उत्पादन करते हैं। अनुमानतः देश में इनकी संख्या सवा सात करोड़ से ज्यादा है। मगर बजट में इनके लिए क्या किया जा सकता है? अधिक से अधिक सस्ते दर पर कर्ज उपलब्ध कराने की घोषणा हो सकती है। या टैक्स संबंधी रियायतें दी जा सकती हैं। इसके बावजूद बाजार मिलने का सवाल बना रह जाएगा। उत्पाद के लिए बाजार मौजूद नहीं हो, तो कोई कारोबारी ऋण लेकर निवेश के लिए प्रेरित नहीं होता। और इस क्षेत्र को बाजार तक तब नहीं मिल सकता, जब तक उसे चीन के सस्ते सामानों से संरक्षण नहीं मिलता।

धुरंधर बनी सबसे तेज 500 करोड़ कमाने वाली फिल्म

धुरंधर ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 15वें दिन की कमाई से इतिहास रच दिया है. धुरंधर महज 15 दिनों में 500 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है. ऐसा करके धुरंधर सबसे तेज 500 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म बन गई है. इस लिस्ट में धुरंधर ने पुष्पा 2, जवान और छावा समेत कई फिल्मों को पछाड़ दिया है. रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना और आर माधवन स्टारर फिल्म धुरंधर पर बीती 19 दिसंबर को रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म अवतारः फायर एंड ऐश का कोई असर नहीं पड़ा है. चलिए जानते हैं धुरंधर ने 15वें दिन कितने करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. फिल्म मेकर्स के अनुसार, धुरंधर ने 15वें दिन 23.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. अवतारः फायर एंड ऐश की रिलीज के बीच उससे ज्यादा की कमाई की है. सैकनिल्क के अनुसार अवतारः फायर एंड ऐश ने पहले दिन भारत में 20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसका सीधा सा मतलब है कि भारत की जनता अभी भी धुरंधर को देखने के लिए थिएटर में उमड़ रही है. धुरंधर ने अपने 15वें दिन की कमाई से भारत में कुल 503.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने अपने पहले वीक में 218 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते में 261.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी. मेकर्स का कहना है कि धुरंधर ने फिर इतिहास रचा है और फिल्म सबसे तेज 500 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म बन गई है. धुरंधर ने महज 15 दिनों में भारत में 500 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है.

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को हराया

नईदिल्ली,न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी टेस्ट में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 323 रन से हराया। बे ओवल में खेले गए मुकाबले में जीत के लिए मिले 462 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने सीरीज को 2–0 से अपने नाम किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी 575/8 के स्कोर पर घोषित की, जिसमें डेवोन कॉनवे ने दोहरा शतक (227) और टॉम लैथम का शतक (137) शामिल रहा। जवाब में वेस्टइंडीज ने कावेम हॉज के शतक (120) की मदद से 420 रन बनाए। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी दूसरी पारी 306/2 के स्कोर पर घोषित की, जिसमें कॉनवे और लैथम ने शतक लगाए। आखिर में कैरेबियाई टीम आखिरी दिन के दौरान सिमट गई। कॉनवे अब एक टेस्ट में शतक और दोहरा शतक लगाने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बने हैं। कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेले हैं। इसकी 6 पारियों में 100 से ज्यादा की उम्दा औसत के साथ 450 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 2 शतक के अलावा 1 अर्धशतक भी निकला है।

टी20 वर्ल्ड कप बाहर गिल की हुई टीम में एंट्री, अभिषेक–अर्शदीप के साथ मचाएंगे धमाल

नईदिल्ली, हाल ही में बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. जिसमें टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को जगह नहीं मिली है और उनकी जगह अक्षर पटेल को उपकप्तान बना दिया गया है. लेकिन इस बीच पांजाब ने शुभमन गिल को विजय हजारे ट्रॉफी टीम में जगह दी है और उनके साथ अभिषेक शर्मा, पेसर अर्शदीप सिंह को भी पंजाब की 18 लोगों की विजय हजारे ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है.

पंजाब, जो पिछले सीजन के क्वार्टर फाइनलिस्ट थे, उन्हें एलीट ग्रुप सी में रखा गया है और वे 24 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें वे जयपुर में सभी सात लीग मैच खेलेंगे. लीग–स्टेज के मैच 8 जनवरी को खत्म होंगे, जो भारत के न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से तीन दिन पहले है. हालांकि, गिल, अभिषेक और अर्शदीप की उपलब्धता अभी साफ नहीं है, क्योंकि भारत को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं, जिसके बाद 21 जनवरी से पांच टी20आई मैच होंगे. गिल, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था, वनडे टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अभिषेक और अर्शदीप टी20 टीम का हिस्सा हैं.

रवि तेजा फिल्म भारत महासयुलाकु विग्न्याप्ति पहला गाना बेल्ला बेल्ला रिलीज़

फिल्म भरथा महाशायुलकु विग्नापति के निर्माताओं ने रवि तेजा अभिनीत और किशोर तिरुमाला द्वारा निर्देशित फिल्म का पहला गाना बेल्ला बेल्ला रिलीज़ कर दिया है। रवि तेजा और आशिका रंगनाथ के संयुक्त प्रयास से रचित इस गाने का संगीत भीम्स सिसरोलियो ने तैयार किया है। सुरेश गंगुला ने इसके बोल लिखे हैं और नकाश अजीज और रोहिणी सोरथ ने इसे गाया है। गाने में रवि तेजा ने हमेशा की तरह अपने जोशीले नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है, वहीं ग्लैमरस नायिका आशिका रंगनाथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस गाने की शूटिंग स्पेन में हुई है। डिंपल हयाती इस फिल्म में दूसरी नायिका की भूमिका निभा रही हैं। भारता महासयालुकु विजयपति संज्ञांति के तोहफे के रूप में सिनेमाघरों में आ रही है। हाल ही में फिल्म की झलकियाँ जारी की गईं और दर्शकों ने इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया दी।

अवतार: फायर एंड एश के साथ आया हॉन्टेड 3डी का खौफ, रिलीज तारीख भी जारी

जेम्स कैमरून की फिल्म अवतार: फायर एंड एश सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसके साथ में, हॉन्टेड 3डी: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट का खौफ भी आया है जो महेश भट्ट और आनंद पंडित की प्रस्तुति है। इसके निर्देशन की कमान विक्रम भट्ट ने संभाली है। फिल्म के मोशन पोस्टर के साथ इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया गया है। हॉन्टेड 3डी को 21 नवंबर, 2025 को रिलीज होनी थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया था। निर्माताओं ने हॉन्टेड 3डी: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट का मोशन पोस्टर जारी किया है। इसमें शीशे के पार एक काला साया नजर आ रहा है। निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक टीजर पहले ही जारी कर दिया था, लेकिन इस नई पोस्ट ने लोगों को फिर से उत्साहित कर दिया है। फिल्म का निर्माण आनंद पंडित, राकेश जुनेजा और श्वेतांबरी भट्ट ने मिलकर किया है। हॉन्टेड 3डी 6 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

नईदिल्ली,जेमिमाह रोड्रिग्स ने महिला वनडे वर्ल्ड कप से अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए नाबाद अर्धशतक लगाया, जिससे भारत ने विशाखापट्टनम में खेले गए पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ भारत पांच मैचों की सीरीज में 1–0 से आगे हो गया.

भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 20 ओवर में 121/6 के मामूली स्कोर पर रोक दिया. इसके बाद, जेमिमाह, जिन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को पहुंचाने में मदद करने के लिए शतक बनाया था, ने रविवार को 44 गेंदों पर 69 रन नाबाद बनाए और भारत को 122/2 तक पहुंचाया और 32 गेंदें शेष रहते मैच जीत लिया. जेमिमाह ने 34 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें उन्होंने 10 चौके लगाए और दो अर्धशतकीय साझेदारियां की. पहली स्मृति मंधाना के साथ 54 रन की साझेदारी और दूसरी कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ 55 रन की अटूट साझेदारी की. इस मैच में स्मृति मंधाना ने 25 रन बनाए और महिला टी20आई क्रिकेट में 4000 रन बनाने वाली पहली भारतीय और वर्ल्ड में दूसरी बल्लेबाज बन गईं. उनसे आगे अब न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का है, जिनके नाम 4716 रन हैं.नवी मुंबई में महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद अपने पहले मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया. भारतीय गेंदबाजों ने खराब फील्डिंग के बावजूद श्रीलंकाई बल्लेबाजों को बांधे रखा, जिसमें कुछ कैच छूटे, मिसफील्ड हुए और स्मृति मंधाना ने एक छक्का रोक लिया। 50 ओवर की वर्ल्ड चैंपियन टीम शॉर्ट फॉर्मेट में एडजस्ट करने में संघर्ष कर रही थी, जिसे वे एक बड़े ब्रेक के बाद खेल रही थीं. श्रीलंकाई टीम भी कुछ खास बेहतर नहीं थी और टी20 फॉर्मेट में संघर्ष कर रही थी, जब उन्होंने कप्तान चमारी अथापथ्थू को 12 गेंदों में 15 रन पर खो दिया और पावर–प्ले में सिर्फ 31/1 रन बना पाई. श्रीलंकाई कप्तान ने पहले कुछ ओवरों में तीन चौके लगाए, लेकिन ऋंति गौड़ ने बल्ले और पैड के बीच से गेंद निकालकर स्टंप्स बिखेर दिए और अपना पहला महिला ज़20ढ्ढ विकेट लिया.

बरसात में जलभराव से मिलेगी निजात, योजना तैयार

कोटद्वार नगर निगम सभागार योजना को लेकर चर्चा करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत व पार्षद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में बढ़ती जलभराव की समस्या के निराकरण को लेकर नगर निगम ने गंभीरता से कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। योजना के तहत प्रत्येक वार्ड में जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित किया जाएगा। इसके उपरांत धरातल पर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। योजना को बेहतर रूप देने के लिए महापौर ने पार्षदों के साथ चर्चा की।

सोमवार को नगर निगम में आयोजित बैठक में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने योजना की जानकारी दी। कहा कि बरसात के समय शहर में सबसे अधिक जलभराव की समस्या होती है। शहर के मुख्य चौराहों के साथ ही विभिन्न वार्डों में पानी की निकासी नहीं हो पाती। कहा कि इससे निजात के लिए निगम ने आधुनिक वाटर ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया है। योजना का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल की त्वरित एवं सुचारु निकासी सुनिश्चित करना है, जिससे शहरवासियों को जलभराव, यातायात बाधा व स्वच्छता संबंधी राहत मिलेगी। सर्वप्रथम डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। डीपीआर निर्माण की प्रक्रिया में जल निकासी से प्रभावित वार्डों के पार्षदों की मदद ली जाएगी। पार्षद अपने-अपने वार्डों में उन स्थानों की पहचान करेंगे, जहां जल निकासी की अत्यधिक आवश्यकता है। इसके उपरांत नगर निगम की ओर से चयनित कंसलटेंसी एजेंसी मौके पर पहुंचकर मौक का निरीक्षण कर भौगोलिक स्थिति, मौजूदा नालियों, जल प्रवाह की दिशा, जनसंख्या घनत्व एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य प्रारंभ करेगी। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम न केवल वर्तमान जलभराव की समस्या का समाधान करेगा। बल्कि, भविष्य में शहर के विकास और बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हुए एक स्थायी व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा। यह परियोजना कोटद्वार शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस मौके पर नगर आयुक्त पीएल. शाह, सह नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, सह नगर आयुक्त अजय अस्टवाल, मुख्य सफाई निरीक्षक सुनील कुमार, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता जावेद अंसारी, सफाई निरीक्षक परमीत चौधरी आदि मौजूद रहे।

संगठन ने बलदेव सिंह आर्य को किया याद

दुगड्डा में आयोजित कार्यक्रम में बलदेव सिंह आर्य को श्रद्धांजलि देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री व सांसद रहे बलदेव सिंह आर्य की 33वीं पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दुगड्डा में बालिका इंटर कॉलेज का नाम बलदेव सिंह आर्य के नाम पर रखने का स्वागत किया गया।

सोमवार को दुगड्डा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिकाध्यक्ष शांति बिष्ट ने बलदेव सिंह आर्य की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। पूर्व प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने बलदेव सिंह आर्य के योगदान को याद किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि समाज हित में दिए गए बलदेव सिंह आर्य के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह सदैव गरीब व असहाय लोगों की आवाज बनते रहे। संगठन ने बालिका इंटर कालेज दुगड्डा का नाम बलदेव सिंह आर्य के नाम पर रखे जाने का भी स्वागत किया। कहा कि इससे आने वाली पीढ़ी को बलदेव सिंह आर्य के इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इस मौके पर रेणू सुंद्रियाल, जयेदवी मानव, शिवकुमार, डा. मनोज सिंह आर्य, अंशु जैन, अतुल अग्रवाल, राजेंद्र सिंह, केसीराम निराला, राम चंद्र, अनिल कुमार, अमित चौहान, जगमोहन सिंह रावत, काशी अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

महापौर के खिलाफ पार्षद का धरना जारी

कोटद्वार नगर निगम परिसर में धरने पर डटे पार्षद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व में हुई बोर्ड बैठक के प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होने से नाराज पार्षद सूरज प्रसाद कांति का धरना 18वें दिन भी जारी रहा। पार्षद ने कहा कि लगातार धरने के बाद भी महापौर पूर्व के प्रस्ताव पर चर्चा करने को तैयार नहीं है।

सोमवार को पार्षद ने महापौर के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। कहा कि पूर्व की बोर्ड बैठक के बिंदु संख्या 11 में सिंचाई गूल पर सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। बताया कि कार्य के लिए डीपीआर बनाकर प्रेषित करने पर सहमति बनी थी। लेकिन, बिना डीपीआर के ही संबंधित विभाग को 25 लाख रुपये दे दिए गए हैं। कहा कि पूर्व में रजत रजंती पार्क निर्माण पर सहमति बनी थी। लेकिन, इसके बजाय बुद्धा पार्क को ही प्रस्ताव में दिखाया गया। जो कि पूरी तरह गलत है। कहा कि जनता के पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। नगर निगम को पूर्व में हुई बोर्ड बैठक के प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए। कहा कि क्षेत्र की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पैराफिट से टकराई कार, हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आमसौड़ के समीप एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पैराफिट से टकरा गई। गनीमत यह रही कि पैराफिट पर टकराने के बाद कार रूक गई। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। सोमवार सुबह देहरादून निवासी पूर्व सैनिक सुनील बिष्ट अपनी पत्नी, बेटे व बहु के साथ देहरादून से संगलाकोटी जा रहे थे। इसी दौरान आमसौड़ से सौ मीटर आगे दुगड्डा की ओर कार अनियंत्रित हो गई और पैराफिट से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी खतरनाक थी कि पैराफिट का हिस्सा भी टूट गया था। बताया कि यदि कार पैराफिट पर टकराकर रूकती नहीं तो कार खाई में गिर सकती थी। जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। दुर्घटना में कार सवाल लोगों को चोट नहीं आई। लेकिन, कार को नुकसान हुआ है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम मंजू रानी शर्मा से बदलकर मंजू रानी कर दिया है। भविष्य में मुझे मंजू रानी पत्नी रामप्रकाश शर्मा के नाम से जाना पहचाना जाए।

पता श्रीकृष्ण भवन, गोविन्द नगर, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल।

(1542/21)

प्रभावितों ने शहरी दर पर मुआवजा देने की मांग, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

पौड़ी : एनएच चौड़ीकरण से प्रभावित हो रहे नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नंबर चार के लोगों ने शहरी दर से मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई। प्रभावित लोगों ने एडीएम को ज्ञापन देकर जल्द समस्या के निराकरण की मांग की। सोमवार को सतपुली नगर पंचायत के वार्ड नं. 4 के प्रभावित लोगों ने एडीएम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एडीएम को बताया कि सतपुली में इन दिनों एनएच-534 के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है, जिसमें उनके भवन व भूमि का अधिग्रहण किया गया है, लेकिन सतपुली के वार्ड न. 4 के प्रभावित लोगों को शहरी दर से मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। कहा कि अधिग्रहण के दौरान भी उनके भवनों व भूमि का नाप जोख सही ढंग से नहीं की गई है। उन्होंने एडीएम से अधिग्रहित भूमि का वर्तमान समय की नगरीय दरों के अनुसार पुर्नमूल्यांकन करने, निर्धारित प्रतिकर राशि को पुनः संशोधित करने, भूमि का नाप जोख निष्पक्ष रूप से करने, वैधानिक प्रतिकर राशि देने की मांग की है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से [illegible] द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 18.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	272-DRM-MB-25-26 Dt. 22.12.2025
कार्य का नाम	Lubrication of curves using contractor's own track based Rail Gauge Face Lubricator (Electric Type) 33 nos in the jurisdiction of Sr.DEN/IV/MB.
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक	20.01.2026
टेन्डर क्लोजिंग समय	16.00 Hrs.
अनुमानित लागत	5,30,64,570.90
धरोहर राशि	4,15,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	60 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	06.01.2026

टेन्डर नं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 22.12.2025 3966/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आईजी गढ़वाल ने तबादला आदेश पर रोक लगाई, एसएसपी से मांगा स्पष्टीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पुलिस कप्तान के तबादला आदेश पर आईजी गढ़वाल ने रोक लगा दी है। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने पुलिस अधिकारियों के तबादले पुलिस प्रावधानों व प्रक्रियाओं के अनुरूप नहीं पाए जाने पर तबादला आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही एसएसपी का स्पष्टीकरण तलब कर तीन दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। नियमानुसार थाना स्तर पर प्रभारियों के स्थानांतरण या दायित्व परिवर्तन से पहले आईजी से वार्ता व अनुमोदन आवश्यक है। इस मामले में एसएसपी ने उक्त दोनों प्रक्रियाओं का अनुपालन नहीं किया था। एसएसपी सर्वेश पंवार ने बीते 21 दिसंबर की शाम को जिले में सात निरीक्षकों समेत कुल 22 पुलिस अधिकारियों के दायित्वों में बड़े स्तर पर फेरबदल किया। हालांकि, तबादला आदेश में पुलिस प्रावधानों व प्रक्रियाओं का अनुपालन न होने पर आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। साथ ही आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने एसएसपी पौड़ी के तबादला आदेश को उत्तराखंड पुलिस अधिनियम 2007 के तहत खरा नहीं पाया। नियमानुसार थाना स्तर पर प्रभारियों के स्थानांतरण या दायित्व परिवर्तन से पहले आईजी से वार्ता व अनुमोदन आवश्यक है।

क्लीनिक में नशे की दवा सप्लाई करने वाले गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में नशीली दवा के तस्कर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गाड़ीघाट स्टेडियम बस्ती स्थित एक क्लीनिक में नशे की दवा सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक चिकित्सक व एक अन्य युवक को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। दरअसल, 28 नवंबर को वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन की टीम ने मोहल्ला स्टेडियम बस्ती स्थित एक क्लीनिक में छापेमारी की थी। इस दौरान टीम ने छः हजार से अधिक नशीली दवा के कैप्सूल बरामद किए। मामले में कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत मानपुर निवासी अरूण कंडवाल को गिरफ्तार किया गया। जबकि क्लीनिक संचालक डा. सूरज के क्लीनिक में नशे की दवा पहुंचाने वाले उत्तर प्रदेश जिला बिजनौर नगीना निवासी हितांशु गुप्ता व बालासौड़ हरसिंहपुर निवासी जसविंदर सिंह उर्फ जस्सी पिछले कई दिनों से फरार चल रहे थे। सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उन्हें भी जेल भेज दिया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार।

पत्रांक 3138 / निविदा सूचना / 2025-2026 दिनांक 22/12/2025

ई-निविदा सूचना

मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से जनपद पौड़ी गढ़वाल शाखा कोटद्वार के अन्तर्गत निम्नलिखित पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव कार्यों हेतु उत्तराखण्ड जल संस्थान में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा, टू-बिड सिस्टम (तकनीकी एवं कमर्शियल बिड) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचना www.uktenders.gov.in पर सांय 27.12.2025 की सांय 05:00 बजे से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	योजना का नाम	धरोहर राशि	निविदा का कुल मूल्य (जी0एस0टी0 सहित)	निविदा डाउनलोड करने की तिथि एवं समय	प्री-बिड मिटिंग की तिथि	निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	निविदा को खोले जाने की की तिथि एवं समय (तकनीकी निविदा)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	दुगड्डा	कोटद्वार नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	62000.00	रू0 2500.00 + GST	27.12.2025 सांय 5.00 बजे से	02.01.2026 सांय 12.00 बजे से	12.01.2026 सांय 5.00 बजे तक	13.01.2026 सांय 5.00 बजे तक	15.01.2026 सांय 11.00 बजे से	01 वर्ष	''D'' या उच्चतर
2	दुगड्डा	रिगड्डी पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	74500.00	रू0 2500.00 + GST							
3	दुगड्डा	सनेह पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	59500.00	रू0 2000.00 + GST							
4	दुगड्डा	हल्दूखाता पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	58500.00	रू0 2000.00 + GST							
5	दुगड्डा	मोटाढाक पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	51000.00	रू0 2000.00 + GST							
6	दुगड्डा	सिगड्डी पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	49000.00	रू0 2000.00 + GST							
7	रिखणीखाल	ह्यून्दी पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	44000.00	रू0 2000.00 + GST							
8	रिखणीखाल	अन्दरसौं पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	43000.00	रू0 2000.00 + GST							
9	रिखणीखाल	परिण्डी पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	44500.00	रू0 2000.00 + GST							
10	नैनीडांडा	धुमाकोट पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	58000.00	रू0 2500.00 + GST							
11	यमकेश्वर	रणचूला पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	47000.00	रू0 2000.00 + GST							
12	यमकेश्वर	ऊंचाकोट पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	45000.00	रू0 2000.00 + GST							
13	यमकेश्वर	पुण्डरासू पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	64500.00	रू0 2500.00 + GST							
14	यमकेश्वर	परिन्दा पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	70000.00	रू0 3000.00 + GST							
15	यमकेश्वर	कोटा माला पम्पिंग पेयजल योजना के अन्तर्गत संचालन एवं रखरखाव का कार्य।	51000.00	रू0 2000.00 + GST							

ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारियां व शर्ते उत्तराखण्ड की वेबसाइट www.uktenders.gov.in पर ऑन लाइन देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

शर्तें:-

1- निविदा प्रपत्र का मूल्य (उपरोक्त तालिकानुसार अलग-अलग निविदा हेतु पृथक-पृथक) किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से निर्गत बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार के नाम से बनाकर प्रस्तुत करना होगा।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 2% घरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/ बी0जी0/एन0एस0सी0 के रूप में किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक/डाकघर द्वारा निर्गत, अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार के पदनाम से न्यूनतम 90 दिनों हेतु बंधक हो, जमा करानी होगी।

3- निविदादाता द्वारा उक्त वेबसाइट में रू0 100.00 मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथ पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा कि उसके द्वारा जो भी सूचनायें वेबसाइट पर दी गई हैं, वह सत्य हैं।

4- निविदादाता द्वारा उक्त वेबसाइट में रू0 100.00 मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर रू0 1.00 का रेवेन्यू टिकट लगाकर निविदा दरों की वैधता के सम्बन्ध में हस्ताक्षर कर अपलोड करना होगा।

5- निविदा प्रपत्र हेतु निविदादाता को डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (डी0एस0सी0) किसी प्रमाणित / प्राधिकृत संस्था द्वारा निर्गत किया होना आवश्यक है।

6- निम्नलिखित प्रपत्र (प्रपत्र जो वैबसाईट पर निविदा के साथ अपलोड किये गये हैं) मूल रूप में डाक द्वारा कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता महोदय उत्तराखण्ड जल संस्थान पौड़ी में दिनांक 13.01.2026 सांय 5:00 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा किये जाने होंगे।

(i) निविदादाता द्वारा रू0 100.00 मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र जिसमें यह उल्लिखित होगा कि उसके द्वारा जो भी सूचनायें वैबसाईट पर दी गई हैं यह सत्य है।

(ii) निविदादाता द्वारा निविदा दरों की वैधता के सम्बन्ध में रू0 100.00 मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर रू0 1.00 का रेवेन्यू टिकट लगाकर हस्ताक्षरित शपथ पत्र।

(iii) निविदा प्रपत्र के मूल्य का बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में।

7- उपरोक्त निविदा सूचना में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो संशोधित निविदा सूचना सीधे वैबसाईट www.uktenders.gov.in पर ही अपलोड की जायेगी। संशोधित निविदा सूचना का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जायेगा।

8- किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित हैं।

9- तकनीकी बिड में सफल पाये गये ठेकेदारों के नाम अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार के कार्यालय नोटिस बोर्ड पर लगायी जायेगी एवं वेबसाईट पर भी अपलोड़ की जायेगी।

9- शेष समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।

10- निविदा सम्बन्धी जानकारी हेतु इं0 अभिषेक कुमार वर्मा, अधिशासी अभियन्ता (मो0 नं0 9412081305), इं0 अमिता, सहायक अभियन्ता (मो0 नं0-7060874580) एवं ई0 बृजमोहन रावत (मो0 नं0- 9568704545) से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

अधिशासी अभियन्ता

(1456/53)

संक्षिप्त समाचार

निबंध में अवंतिका व संगोष्ठी में अक्षित रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : महान गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन की जयंती पर राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी और राजकीय प्राथमिक विद्यालय चौंरखाल में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। इस दौरान राइंका खोलाचौरी में आयोजित गणित निबंध प्रतियोगिता में अवंतिका व विचार संगोष्ठी में अक्षित रैमानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया किया। इस मौके पर कैलाश पंवार, रंजन रावत, जितेंद्र राणा, विपिन, रश्मि सेमवाल, वंदना ध्यानी आदि मौजूद रहे। वहीं, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चौंरखाल में राष्ट्रीय गणित दिवस डॉ. अतुल बमराडा ने विद्यार्थियों को श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और उनके गणित प्रेम से परिचित कराया गया। प्रधानाध्यापिका नंदा रावत ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में गणित के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती हैं और नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप सीखने को आनंदपूर्ण बनाती हैं।

मुख्यमंत्री धामी खुलासा करें गट्टू कौन है : धीरेंद्र प्रताप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस बात का खुलासा करना चाहिए की अंकित भंडारी हत्याकांड से जुड़े मामले में जी गट्टू का जिक्र एक महिला के वायरल हुए वीडियो में किया है वह गट्टू कौन है। कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड ने पूरे उत्तराखंड की जनता को झकझोर कर रखा हुआ है। ऐसी स्थिति में इस गट्टू नाम का अचानक सतह पर आना चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री को चाहिए कि इस गट्टू का जल्दी पता लगाए और विधायक सुरेश राठौर की गतिविधियों के बारे में भी बताएं कि वह आखिर क्यों इस महिला के निशाने पर बने हुए हैं।

धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि इस महिला के वायरल हुए वीडियो में यह बात भी सामने आई है कि हरिद्वार के पूर्व विधायक सुरेश राठौर का इस गट्टू से कोई संबंध है। धीरेंद्र प्रताप ने इसी मामले में दिल्ली के उत्तराखंड सदन में सदन के दुरुपयोग से जुड़ी घटनाओं के आरोपों की भी जांच कराए जाने की मांग की है। जहां पर लड़कियों के आवागमन और अवैध धंधों की बात उठाई गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सदन में रंजन मिश्रा वर्षों से निष्ठा से काम करते रहे हैं और उनकी निष्ठा पर कोई सवाल उठाया जाना उचित प्रतीत नहीं होगा।

एलयूसीसी मामले में सड़कों पर उतरी महिलाएं

श्रीनगर गढ़वाल : एलयूसीसी कम्पनी द्वारा की गई ठगी, महिलाओं पर अत्याचार, वन्यजीवों के हमले, स्वास्थ्य सेवाएं बहाल किए जाने सहित अन्य मामलों पर कार्रवाई न होने पर पीड़ित लोगों ने रोष व्यक्त किया। विरोध स्वरूप सोमवार को महिलाओं ने पीपलचौरी से स्थानीय गोला पार्क होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से तहसील तक आक्रोश रैली निकाली। आक्रोशित महिलाओं ने रोजगार, जगंली जानवरों के हमलों से निजात दिलाने सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरा और जोरदार प्रदर्शन किया। महिलाओं ने सरकार से एलयूसीसी कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए जमा की गई पूंजी को वापस कराने की मांग की है। तहसील में प्रदर्शन करते हुए सरस्वती देवी, ओंकार सिंह, राजेश कुमार, नीलम भट्ट, अरूण नेगी ने कहा कि एलयूसीसी कंपनी से पैसा वापस दिलाए जाने की मांग को लेकर एलयूसीसी ठगी पीड़ित महिलाएं आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार आरोपियों को पकड़ने के लिए झूठे आश्वासन देकर गुमराह करने का कार्य कर रही है। (एजेंसी)

चन्द्रदीप्ति पत्रिका के 15वें अंक का विमोचन

रुद्रप्रयाग। सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जगत की सुरुचिपूर्ण और सकारात्मक अभिव्यक्तियों की अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'चन्द्रदीप्ति' के 15वें अंक का विमोचन पत्रिका के प्रधान कार्यालय गुंजन गेह, विजयनगर, अगस्त्यमुनि में संपन्न हुआ। विमोचन कार्यक्रम माता–पिता के कर कमलों से किया गया। पत्रिका के संरक्षक बृजमोहन चंद्र भट्ट ने कहा कि पढ़ना और लिखना जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कार्य हैं, जो मानव को मानवता के गुणों से समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि चन्द्रदीप्ति उदीयमान लेखकों और रचनाकारों के लिए एक सशक्त और सकारात्मक मंच प्रदान कर रही है। पत्रिका के संपादक विनोद प्रकाश भट्ट की माता चंद्रकला भट्ट ने सभी साहित्यकारों से मिल रहे स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वंदना भट्ट, समन्वय संपादक मनमोहन भट्ट, पंकज भट्ट, गौरा देवी, बाल मंच संपादक ललिता रौतेला, सोशल मीडिया संपादक मनोज कुमार थापा, मनोज भट्ट, गंगाराम सकलानी सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य मौजूद थे।

एलयूसीसी पीड़ितों ने निकाली आक्रोश रैली

कोटद्वार में आक्रोश रैली निकालते एलयूसीसी के पीड़ित

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : लगातार धरने के बाद भी अनदेखी से नाराज द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-आपरेटिब सोसाइटी (एलयूसीसी) के पीड़ितों ने सोमवार को शहर में आक्रोश रैली निकाली। कहा कि पीड़ितों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जल्द ही कंपनी के संचालकों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो पीड़ित आंदोलन को तेज करेंगे।

सोमवार को लोगों ने हिंदू पंचायती धर्मशाला से तहसील परिसर तक आक्रोश रैली निकाली। इसके उपरांत प्रशासन के माध्यम से सरकार को पत्र भेजा गया। वक्ताओं ने कहा कि पिछले कई दिनों से वह धरने पर डटे हुए हैं। लेकिन, अब तक उनकी कोई सुध नहीं ली गई। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से सीबीआई की जांच में तेजी लाने व पीड़ितों की डूबी रकम वापस दिलाने की मांग की है। कहा कि मुख्यमंत्री ने जुलाई माह में सीबीआई जांच की संस्तुति दी गई थी, उसके बाद नैनीताल उच्च न्यायालय ने सरकार को सीबीआई के जांच के आदेश दिए थे, लेकिन अभी तक सीबीआई की जांच कहां तक पहुंची, इसकी जानकारी पीड़ितों को नहीं दी जा रही है। कहा कि देश की मजबूत जांच एजेंसियां होने के बाद भी कंपनी के फरार संचालकों का पता तक नहीं चल पा रहा है, जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। जिससे पीड़ितों में शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। पीड़ितों ने सीबीआई जांच में तेजी लाने व पीड़ितों की डूबी रकम वापस दिलाने की मांग की है। इस मौके पर पूर्व सैनिक महेंद्र सिंह रावत, सुनीता सजवाण, विनीता, शोभा कुकरेती, राजेंद्र सिंह, उम्मेद सिंह, बिजेंद्र सिंह, ज्योति देवी, सुनीता रावत, सोनी नेगी मौजूद रहे।

यूकेडी ने न्याय पंचायत अध्यक्ष किये मनोनीत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड क्रांति दल (ब्लॉक कार्यकारिणी बीरोंखाल) द्वारा संगठन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए विभिन्न न्याय पंचायतों में अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

ब्लॉक अध्यक्ष पंकज बंदूणी ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के विस्तार एवं जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से न्याय पंचायतों में अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं। बताया कि ढौर न्याय पंचायत में विनोद सिंह नेगी, ग्वीन न्याय पंचायत में अवनीश सिंह, डुमेला मल्ला में दर्शन सिंह रावत, भरौलीखाल में कुलदीप सिंह रावत, जिवई में रमेश सिंह बिष्ट, स्यूंसी में चेतराम ढौंडियाल को अध्यक्ष नुयक्ति किया गया है।

उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाएंगे तथा उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

घोषणाओं के जाल में फंसा 50 हजार की आबादी का स्वास्थ्य

नई टिहरी। नैनबाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण न होने से क्षेत्र के लोगों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। दिल्ली–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के जुड़े होने के कारण नैनबाग में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किए जाने की जरूरत है। नैनबाग पीएससी को लंबे समय उच्चीकरण कर उप जिला चिकित्सालय बनाने की क्षेत्र के लोग मांग कर रहे हैं। नैनबाग शरदोत्सव समिति के सचिव प्रदीप कवि, पूर्व प्रधान गंभीर सिंह रावत का कहना कि नैनबाग टिहरी, उत्तरकाशी और देहरादून जिले का केंद्र बिंदु है। साथ ही नैनबाग से दिल्ली–यमुनोत्री हाईवे भी गुजरता है। वाहनों की आवाजाही भी अधिक रहती है। वाहन दुर्घटना का डर भी बना रहता है। दुर्घटना के दौरान घायल होने वाले लोगों को पीएचसी में स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती है। ऐसे में डॉक्टरों द्वारा घायलों को मसूरी और देहरादून रेफर किया जाता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की 1974 में स्थापना हुई थी। स्थानीय लोगों के संघर्ष के बाद 1997 में अस्पताल को अपना भवन मिल पाया।

पीएचसी पर क्षेत्र के 76 गांवों की करीब 50 हजार से अधिक आबादी निर्भर है। इसके अलावा नैनबाग से लगे उत्तरकाशी और देहरादून जिले की जनता भी छोटे–मोटे उपचार के लिए पीएचसी पहुंची है। पूर्व के वर्षों में नैनबाग शरदोत्सव आए पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूड़ी, 2022 में सीएम पुष्कर धामी, 2023 में स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत सहित कई पूर्व मंत्री पीएचसी के उच्चीकरण की घोषणा कर चुके हैं लेकिन पीएचसी का उच्चीकरण नहीं हो पाया।

25 जनवरी को होगा राठ महोत्सव का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : समलौण संस्था द्वारा 25 जनवरी को राठ महाविद्यालय पैठाणी में राठ महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष मनोज रौथाण ने कहा कि कार्यक्रम में पर्यावरण, शिक्षा आदि क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था के संस्थापक बीरेंद्र दत्त गोदियाल ने कहा कि राठ महोत्सव की शुरुआत 16 जनवरी 2016 से हुई। जिसमें क्षेत्र की पर्यावरण के प्रति काम करने वाली समलौण सेनाएं, महिला मंगल दल आकर मेले में प्रतिभाग करती हैं। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष मुकेश नौड़ियाल, कोषाध्यक्ष नत्थीराम नौड़ियाल, रामकृष्ण नौटियाल, विक्रम सिंह कंडवाल, गजेंद्र सिंह रावत, दिनेश खकरियाल, गीताराम पंत आदि मौजूद थे।

गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय गणित दिवस पर पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन के बारे में बताया कि इस दौरान गणित विषय के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे दैनिक जीवन में गणित का विशेष महत्व रहा है। गणित तार्किक सोच, समस्या समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है, जो हमें सटीक निर्णय लेने और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गणित की शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) तैयार करके गणित की बारीकियों को सीखा। अर्धवार्षिक परीक्षा में गणित विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छठवीं कक्षा के छात्र अंश, सातवीं कक्षा की छात्रा पुनीता पंत, आठवीं कक्षा की छात्रा स्वाति, नवीं कक्षा के छात्र शिव सिंह रमोला, दसवीं कक्षा की छात्रा रितिका, ग्यारहवीं कक्षा के छात्र रौनक व बारहवीं कक्षा के छात्र सुजल सिंह को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

होमगार्ड्स जवानों ने दी देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : गोपेश्वर स्थित प्रगति वैडिंग प्वाइंट में सोमवार को कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा पी.वी.के. प्रसाद (आईपीएस) के निर्देशन में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ''उत्सव-2025'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के महिला एवं पुरुष होमगार्ड्स जवानों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य एवं गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं।कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि, अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत प्रभारी जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स चमोली दीपक कुमार भट्ट द्वारा पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। समारोह के दौरान पुलिस

अधीक्षक द्वारा होमगार्ड प्रकाश लाल और राजेंद्र सिंह को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डीजी, सीडी, होमगार्ड्स ब्रॉन्ज पदक व प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इस दौरान 60 वर्ष की अधिवर्षता पूर्ण करने पर देवेंद्र सिंह को होमगार्ड कल्याण कोष से एक लाख की धनराशि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला कमाण्डेंट दीपक कुमार भट्ट द्वारा उच्च कोटि के वर्दी, टर्न-आउट तथा चारधाम यात्रा सीजन-2025 के दौरान श्री बद्रीनाथ धाम में उत्कृष्ट ड्यूटी एवं सराहनीय कार्य करने वाले होमगार्ड्स जवानों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बद्रीनाथ वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार दुबे, सहायक जिला कमाण्डेंट विजय सिंह, समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, ड्यूटी इंचार्ज एवं जनपद के होमगार्ड्स जवान उपस्थित रहे।

एनएचएम कर्मचारी संगठन के अरविंद बने अध्यक्ष

नई टिहरी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संगठन के अधिवेशन में अरविंद बुटोला को अध्यक्ष बनाया गया। वहीं, अनिल बिष्ट को महामंत्री घोषित किया गया।

इसमें कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। अधिवेशन में जनपद के कुल 225 एनएचएम कर्मचारी संगठन के सदस्यों की सूची में से 158 कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें अध्यक्ष पद पर अरविंद बुटोला को 93 और मानवेन्द्र नेगी को 63 मत प्राप्त हुए। महामंत्री पद के चुनाव में अनिल बिष्ट के 80 मत व ज्ञानेंद्र सिंह पंवार को 77 मत) मिले। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर धनेश चंद्र रमोला को 81 मत और रघुवीर कंडारी को 72 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर आशुतोष पंवार 108 मत और अजय बिष्ट को 49 मत प्राप्त हुए।

क्रिसमस व नये साल के लिए धनोल्टी के होटल 50 प्रतिशत बुक

नई टिहरी। पर्यटक स्थल धनोल्टी में होटल और होमस्टे संचालक क्रिसमस और नये साल की तैयारियों में जुटे हैं। धनोल्टी में होटलों और होमस्टे में पर्यटकों ने 50 प्रतिशत ऑनलाइन बुकिंग पूरी हो चुकी है। बर्फबारी हुई तो ऑनलाइन बुकिंग में तेजी आएगी। धनोल्टी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष यशपाल बेलवाल, नीरज बेलवाल ने बताया कि नये साल और क्रिसमस मनाने की तैयारियों को लेकर धनोल्टी क्षेत्र में बने होटलों और होमस्टे में एक सप्ताह से अधिक समय से पर्यटकों ने बुकिंग शुरू कर दी है। अब तक 45 से 50 प्रतिशत तक बुकिंग हो चुकी हैं। पर्यटकों की ओर से बुकिंग जारी है। होटल व्यवसायी भी होटल में साफ–सफाई और रंग–रोगन आदि तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि होटल व्यवसायों की ओर से पर्यटकों को हर सुविधा देने का प्रयास किया जाएगा। धनोल्टी व्यापार मंडल अध्यक्ष रघुवीर रमोला, महामंत्री जगदीश सेमवाल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नये साल बड़ी संख्या में पर्यटक धनोल्टी पहुंचेंगे। क्रिसमस और नये साल से पूर्व बर्फबारी हो जाए तो पर्यटकों की संख्या में और इजाफा होगा।

गत दो–तीन वर्षों में नये साल पर बर्फबारी नहीं होने होटल और व्यवसाय पर इसका असर पड़ा है। गत दो–दिनों से आसमान में बादल छाए हुए है। उम्मीद है क्रिसमस डे और नये साल से पूर्व बर्फबारी होगी। वहीं गढ़वाल मंडल विकास निगम के कर्मचारी अजय रावत ने बताया कि उनके होटल में सीमित संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस बीच बर्फबारी होती है कि निश्चित ही पर्यटकों की संख्या बढ़गी।

अटल की जन्म शती पर राज्य में होंगे उनकी स्मृतियों से जुड़े आयोजन : मधु भट्ट

देहरादून। उत्तराखंड संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष मधु भट्ट ने सोमवार को मीडिया सेंटर, सचिवालय में मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद् के तत्वाधान में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का शुभारंभ 24 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे को संस्कृति प्रेक्षागृह देहरादून से किया जाएगा। इसके बाद दिनांक 25 दिसंबर 2025 से इस संगोष्ठी का आयोजन प्रत्येक विधानसभा स्तर पर भी किया जाएगा। संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष ने कहा कि आयोजन स्वर्गीय अटल जी के आदर्शों उनके सुशासन के दृष्टिकोण और उनकी कविताओं के माध्यम से उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा स्व. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन से संबंधित साहित्य कविताओं उनके विचारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही वह वरिष्ठ नागरिक जिन्होंने अटल जी के साथ एवं उनके नेतृत्व में काम किया है उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा। कवि सम्मेलन व अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन भी इस संगोष्ठी में किया जाएगा। संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष ने कहा कि संगोष्ठी कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर उनके द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी ।

जमीन से भांजियों का कब्जा हटाने की लगाई गुहार

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बड़कोट निवासी टिहरी बांध विस्थापित तीन भाइयों ने हरिद्वार के पथरी भाग– दो में स्थित उनकी जमीन से भांजियों का कब्जा हटाने की मांग की है। टिहरी बांध विस्थापित ग्राम बड़कोट निवासी मकान दास, सोहन दास और गुणियां दास ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके पिता स्व. गुगरू दास बड़कोट ग्राम पंचायत के पात्र विस्थापित थे। स्व. माता छंछरी देवी और वह तीनों भाई अपने स्व. पिता के कानूनी वारिस/उत्तरजीवी हैं। उन्होंने बताया कि पिता गुगरू दास के नाम पर पुनर्वास स्थल पथरी भाग–दो हरिद्वार जिले में कृषि भूखंड आवंटित है। उस भूमि पर उनकी बहन निवासी ग्राम बिडोन फकोट ने अवैध रूप से कब्जा कर दिया था। 2023 में बहन की मौत के बाद उनकी दो पुत्रियों ने उस जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है। कई बार कहने पर भी वह अवैध कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है जिससे सभी परिवारों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

देवाल में बहुउद्देशीय शिविर का हुआ आयोजन, 60 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल जन जन की सरकार, जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत तहसील थराली के विकासखंड देवाल के सभागार में एक बहुउद्देशीय जन सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी पंकज भट्ट द्वारा की गई। शिविर के दौरान आमजन की विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को सुनते हुए कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने जन जन की सरकार, जनता

के द्वार कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से आम जनता को अपने न्याय पंचायत स्तर पर ही सरकारी सेवाओं एवं समस्याओं के समाधान का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर रहा है तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत कर रहा है। इस दौरान अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्रीय जनता ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया। इस मौके पर राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल, ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा में किया सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अल्मोड़ा में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फुटबॉल और बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन किया तथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी श्रीमती एकता बिष्ट और खेल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि जनपद अल्मोड़ा में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जी.आई.सी. ग्राउंड में हॉकी एवं फुटबॉल के लिए दिन एवं रात्रि उपयोग हेतु बहुउद्देशीय आर्टिफिशियल टर्फ मैदान का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छ व हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु 200 सोलर लाइटें उपलब्ध कराई जाएंगी। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम, अल्मोड़ा में 50 बिस्तरों की क्षमता वाला छात्रावास बनाया जाएगा। वहीं, हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम का बैडमिंटन कोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है, जो अपने परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प के बल पर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने की क्षमता रखती है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति मानकर 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से ह्लफिट युवा फॉर विकसित भारतह्व की थीम पर

आयोजित हो रहा यह ह्लसांसद खेल महोत्सवह्व केवल एक सामान्य खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का एक महाभियान है। यह हमारे गांव-गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त मंच प्रदान करने के साथ ही युवा शक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और संघर्षशीलता जैसे गुणों को विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में शीघ्र ही एक स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान लागू करने जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय तथा लोहाघाट में एक महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में खेलों के समग्र विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नई खेल नीति भी लागू की गई है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को 'आउट ऑफ टर्न' सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है। 'मुख्यमंत्री खेल विकास निधि', 'मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना', 'मुख्यमंत्री उदियमान खिलाड़ी योजना' तथा 'खेल किट योजना' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के उभरते युवा खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार अजय टम्टा, मेयर नगर निगम अजय वर्मा, जागेश्वर विधायक मोहन सिंह मेहरा, उपाध्यक्ष महिला उद्यमिता परिषद श्रीमती गंगा बिष्ट, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती हेमा गैड़ा, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष भाजपा महेश नयाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com